ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–63
दिनांकः मंगलवार, 18 अगस्त, 2026

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन केअनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 33.5 एवं 25.8 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 88 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 80 प्रतिशत, हवा की औसत गति 9.2 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 5.4 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 7.8 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 31.5 एवं दोपहर में 36.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।इस अवधि 15.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(19–23 अगस्त, 2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 19 से 23 अगस्त, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- उत्तर बिहार में पूर्वानुमान अवधि के दौरान मौसम ज्यादातर शुष्क रहने का अनुमान है। हालांकि कुछ स्थानों में 19 से 22 अगस्त के बीच एक–दो दिन गरज के साथ बिजली चमकने तथा तेज हवाओं के चलने की संभावना है। इस अवधि में हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की जा सकती है। जबकि सिवान, सारण, वैशाली, गोपालगंज, पूर्वी एवं पश्चिमी चंपारण जैसे जिलों के कहीं–कहीं इस अवधि में मध्यम से भारी वर्षा होने का अनुमान है।
- इस दौरान अधिकतम तापमान 30–36°C तथा न्यूनतम तापमान 26–28°C के बीच रहने की संभावना है।
- सुबह के समय सापेक्ष आर्द्रता 85–90% तथा दोपहर में 55–60% के आसपास रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमान अवधि में हवाएँ मुख्यतः पूर्वी दिशा से 10–15 किमी प्रति घंटा की गति से चलने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- धानः कम वर्षा की स्थिति में खरपतवार की वृद्धि बढ़ जाती है। समय पर निराई–गुड़ाई करें तथा इसके बाद 20–30 किग्रा नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें। तना छेदक एवं पत्ती लपेटक कीटों की नियमित निगरानी करें और प्रकोप होने पर दोपहर के बाद क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 4–जी दानेदार दवा का 20–25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।
- मक्काः तना छेदक के प्रकोप की नियमित निगरानी करें। प्रभावित पौधों की मध्य कलिका सूखकर मुरझा जाती है और खींचने पर आसानी से निकल आती है। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर कार्बोफ्यूरान 3 जी @7 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से गाभा में प्रयोग करें।
- मिश्रीकंदः अगस्त में अच्छी जल निकास वाली ऊँची भूमि में *राजेन्द्र मिश्रीकंद–1* एवं *राजेन्द्र मिश्रीकंद–2* की बोआई करें। 30–40 किग्रा बीज प्रति हेक्टेयर तथा 30X15 सेमी दूरी रखें। 200 क्विंटल कम्पोस्ट खाद, 80 किग्रा नाइट्रोजन, 60 किग्रा फास्फोरस एवं 80 किग्रा पोटाश प्रति हेक्टेयर दें। नाइट्रोजन की आधी मात्रा बोआई के समय तथा शेष 40–45 दिन बाद दें।
- शकरकंदः सितम्बर की शरदकालीन फसल के लिए खेत की तैयारी करें। अच्छी जल निकास वाली हल्की बलुई दोमट मिट्टी में 2–3 जुताई कर खेत समतल करें। 100 क्विंटल कम्पोस्ट खाद तथा 60 किग्रा नाइट्रोजन, 40 किग्रा फास्फोरस एवं 60 किग्रा पोटाश प्रति हेक्टेयर दें। 30X30 सेमी दूरी रखें। रोपाई अगस्त के अंतिम सप्ताह से शुरू की जा सकती है।
- मिर्चः अगस्त में ऊँची क्यारियों पर मिर्च की बोआई करें। उत्तर बिहार के लिए सामान्य किस्मों में *अर्का लोहित, पूसा ज्वाला, पूसा सदाबहार, काशी अनमोल, काशी गौरव, पंत सी–1* एवं *पंजाब लाल* तथा संकर किस्मों में *अर्का श्वेता, कोंकण कीर्ति, अर्का मेघना, अर्का हरिता, काशी सुर्ख, काशी अगेती* एवं *काशी तेज* की अनुशंसा की जाती है। सामान्य किस्मों के लिए 800–1000 ग्राम तथा संकर किस्मों के लिए 250–300 ग्राम बीज प्रति हेक्टेयर लें। बीजों को थायरम 75% डब्ल्यूएस से उपचारित करें तथा 60–75X45–50 सेमी दूरी रखें। 25–30 टन गोबर की खाद तथा 100–120 किग्रा नाइट्रोजन, 40–50 किग्रा फास्फोरस एवं 40–50 किग्रा पोटाश प्रति हेक्टेयर दें। जून में तैयार पौध की 50X45 सेमी दूरी पर रोपाई करें।
- फूलगोभीः *पूसा हिम ज्योति, डी–96* एवं *पंत शुभ्रा* जैसी मध्य अवधि वाली किस्मों की बोआई करें। 350–400 ग्राम बीज तथा 20–25 टन गोबर की खाद प्रति हेक्टेयर दें। साथ ही 120 किग्रा नाइट्रोजन, 60–80 किग्रा फास्फोरस, 40–60 किग्रा पोटाश, 10–15 किग्रा बोरेक्स एवं 1–2 किग्रा अमोनियम मोलिब्डेट प्रति हेक्टेयर प्रयोग करें।
- भिंडीः लीफ हॉपर के प्रकोप की नियमित निगरानी करें। अधिक प्रकोप में पत्तियाँ पीली होकर ऊपर की ओर मुड़ने लगती हैं। आवश्यकता होने पर डाईमेथोएट 30 ई.सी./1.5 मि.ली. प्रति लीटर पानी या इमिडाक्लोप्रिड/0.5 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
- पशुपालनः सभी दुधारू पशुओं को 100 मिलीलीटर ऑक्सीक्लोजानाइड एवं लेवामिसोल मौखिक रूप से दें। पंद्रह दिन बाद गलघोटू, ब्लैक क्वार्टर एवं खुरपका–मुँहपका का टीकाकरण कराएं। लम्पी स्किन डिजीज से बचाव हेतु पशुशाला को साफ एवं सूखा रखें तथा सफाई के बाद प्रतिदिन चूने के पाउडर का छिड़काव करें।

आज का अधिकतम तापमानः 33.4 डिग्री सेल्सियस, जो से 1.0 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 24.6 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.2 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी